

## गौ संरक्षण के लिये राजस्थान सरकार ने शराब पर 20% अधभार लगाया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने राज्य में गायों की सुरक्षा हेतु धन जुटाने के लिये शराब पर 20 प्रतिशत अधभार लगाने का नरिणय लया है। इस धन का उपयोग राज्य में गायों की सुरक्षा व प्रसार के लिये कया जाएगा।

### महत्त्वपूर्ण बढि

- राजस्थान के वतित वभिग की ओर से जारी अधसूचना में कहा गया है कि 23 जुलाई, 2018 से राजस्थान वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2003 के प्रावधानों के तहत वदिशी शराब, भारत में नरिमति वदिशी शराब, देसी शराब और बीयर पर लगने वाले टैक्स पर 20 प्रतिशत अधभार (cess) देना होगा।
- राज्य सरकार ने पछिले साल अप्रैल में गायों की सुरक्षा के लिये सभी गैर-न्यायकि इंस्ट्रूमेंट्स (non-judicial instruments) पर 10% अधभार लगाया था। इससे करिया समझौते, बंधक पत्र और पट्टा समझौते महंगे हो गए थे।
- आधिकारकि सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार शराब अधभार के अलावा गौ संरक्षण और प्रसार के लिये गैर-न्यायकि इंस्ट्रूमेंट्स पर मौजूदा अधभार 10% से बढाकर 20% करने पर भी वचिर कर रही है।

### राजस्थान में 2,000 से अधिक गौ आश्रय केंद्र

- राज्य के सूखा प्रभावति क्षेत्रों में 5.86 लाख गायों के साथ 1,682 आश्रय केंद्र हैं। राजस्थान में कुल 2,562 गौ संरक्षण केंद्र हैं जहाँ कुल 8.6 लाख गायें हैं।
- पछिले दो वत्तितीय वर्षों में राजस्थान सरकार ने गायों और उनके संतति (progeny) के संरक्षण और प्रसार के लिये स्टाम्प ड्यूटी पर लगाए गए 10% अधभार से लगभग 895 करोड़ रुपए अरजति कयि हैं।
- गौ संरक्षण और प्रसार नधिनिियम -2011 के प्रस्तावों के तहत, राज्य सरकार ने वत्ति वर्ष 2016-17 में 132.68 करोड़ रुपए प्रदान कयि। इस धन से चारा और पानी के लिये 1,160 गौ आश्रय केंद्रों के लिये धन उपलब्ध कराया गया था।
- 2017-2018 में राज्य सरकार ने 1,603 गौ आश्रय केंद्रों पर 123.07 करोड़ रुपए खर्च कयि। 2015-16 में अधभार लागू होने से पहले, राज्य सरकार ने 4,449 गौजातयिों (bovines) को पोषति करने के लिये 1.80 करोड़ रुपए खर्च कयि थे।